कार्यशाला के बारे में

भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान का दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम कार्यक्रम, जो २००७ में १२ विश्वविद्यालयों / संस्थानों के साथ शुरू हुआ था, अब काफी वृहद हो चुका है। वर्तमान में, पूरे भारतवर्ष में फैले लगभग ३००० विश्वविद्यालय / संस्थान इस कार्यक्रम से जुड़ चुके हैं तथा इस कार्यक्रम के द्वारा लाभान्वित हो रहे है ।

विश्व हिन्दी दिवस (१० जनवरी) के अवसर पर आयोजित इस एक दिवसीय कार्यशाला में "**सुदूर संवेदन तकनीक व इसके अनुप्रयोग**" शीर्षक के तहत अन्तरिक्ष तकनीक के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी प्रदान की जाएगी। साथ ही साथ भारतीय बाह्य अन्तरिक्ष अनुसंधान कार्यक्रम की विस्तार से चर्चा की जाएगी । इस कार्यशाला में अन्तरिक्ष तकनीक से जुड़ी आधुनिक भूस्थानिक सेवाओं के किर्यान्वयन पर भी चर्चा की जाएगी । सुदूर संवेदन के विभिन्न सामाजिक आर्थिक विकास संबंधी अनुप्रयोगो की विस्तृत जानकारी से श्रोताओं को अवगत कराया जाएगा ।

कार्यशाला की रूपरेखा

इस कार्यशाला में निम्न शीर्षकों पर व्यखान दिये जाएंगे :

- भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के सामाजिक अनुप्रयोग
- यूएवी आधारित सुदूर संवेदन के अनुप्रयोग
- भूस्थानिक प्रौद्योगिकी का शहरी एवं क्षेत्रीय अध्ययन में अनुप्रोयोग
- मिट्टी (मृदा) और हमारा स्वास्थ्य
- भूस्थानिक प्रौद्योगिकी का आपदा प्रबंधन में अनुप्रयोग

लक्षित प्रतिभागी

यह कार्यशाला शोधकर्ताओं , कार्यरत व्यक्तिविशेष, अध्यनरत छात्रों के लिए उपयोगी साबित होगी। सामान्य जानकारी के लिए भी कोई भी जिज्ञाशु इस कार्यशाला से लाभान्वित हो सकता है।

वक्ता

डॉ प्रकाश चौहान, निदेशक , भारतीय सुदूर संदेवन संस्थान, देहारादून
श्रीमती शेफाली अग्रवाल (समूह प्रमुख)
डॉ॰ प्रमोद कुमार (समूह प्रमुख) , डॉ॰ सुरेश कुमार (समूह प्रमुख)
डॉ॰ अरिजित रॉय (विभगाध्यक्ष) और विषय चर्चा , डॉ॰ हरीश कर्नाटक, श्री धर्मेंद्र कुमार एवं श्री कमल पाण्डे के द्वारा

कार्यशाल पंजीकरण

- कार्यशाला संबंधी सभी जानकारी निम्न वेबसाइट पर उपलब्ध है : http://www.iirs.gov.in/Edusat-News/
- इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए इच्छुक संगठनों / विश्वविद्यालयों / विभागों / संस्थानों को अपनी तरफ से एक समन्वयक को चुनना होगा जो अपने संस्थान को भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान की वेबसाइट में नोडल केंद्र के रूप में पंजीकृत करेंगे
- सभी इच्छुक प्रतिभागियों को नोडल सेंटर के रूप में अपने संगठन का चयन करके पंजीकरण पृष्ठ के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा

कार्यशाला में कैसे भाग लें :

कार्यक्रम को २ एमबीपीएस या बेहतर इंटरनेट स्पीड के माध्यम से किसी भी लैपटाप या वेब कैमरा युक्त कम्प्युटर में ग्रहण किया जा सकता है। कार्यक्रम को सुचारु रूप से चलाने के लिए निम्न उपकरणों एवं सॉफ्टवेयर की आवश्यकता है:

हार्डवेयर:

- कंप्यूटर / लैपटॉप/मोबाइल फोन ;
- अच्छी गुणवत्ता वाला वेब कैमरा;
- माइक्रोफोन के साथ हेडफ़ोन;
- बड़ी डिस्प्ले स्क्रीन (प्रोजेक्टर या टीवी)।

सॉफ्टवेयर और इंटरनेट:

- इंटरनेट कनैक्शन
- वेब ब्राउज़र अर्थात गूगल क्रोम, मोज़िला फ़ायरफ़ॉक्स आदि.

संपर्क विवरण

श्री कमल पांडे
वैज्ञानिक एवं वेब सूचना प्रबन्धक
भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान

डॉ. हरीश कर्नाटक
विभाग प्रमुख एवं वैज्ञानिक
भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान

श्री अशोक घिल्डियाल एवं श्री जनार्दन विश्वकर्मा
तकनीकी अधिकारी
भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान, देहारादून
दूरभाष : 0135-2524130
ईमेल : ***dlp@iirs.gov.in***

दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम
भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान

एक दिवसीय कार्यशाला

सुदूर संवेदन तकनीक व इसके अनुप्रयोग

जनवरी १०, २०२२

आयोजक

भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान
भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन
अन्तरिक्ष विभाग
४ कालिदास रोड, देहारादून, २४८००१
www.iirs.gov.in